भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2639

सोमवार, 17 मार्च, 2025/26 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

एकीकृत पर्यटन नीति

†2639. डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विभिन्न पर्यटनों जैसे कृषि पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, ग्राम पर्यटन आदि के लिए एकीकृत पर्यटन नीति बनाने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय पर्यटन के क्षेत्र को नवीनतम विकास के अनुरुप अद्यतित करते रहने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पर्यटन नीति का मसौदा तैयार करने की दिशा में पहले से ही कार्यरत है। हालांकि, समय के साथ, मसौदा नीति दस्तावेज में रेखांकित तत्वों और कार्रवाई के क्षेत्रों को सभी योजनाओं और दिशानिर्देशों में उपयुक्त रूप से सम्मिलित किया गया है और मंत्रालय ने सभी हितधारकों से निरंतर जुड़े रहने के लिए अपने द्वार खुले रखे हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए, अभी किसी पृथक पर्यटन नीति की परिकल्पना नहीं की गई है।

स्वदेश दर्शन, चुनौती आधारित गंतव्य विकास, प्रशाद, देखो अपना देश, चलो इंडिया, मीट इन इंडिया, पर्यटन मित्र/पर्यटन दीदी, हुनर से रोजगार तक आदि जैसी विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रम और पहलों के माध्यम से पर्यटन संवर्धन और विकास, उद्योग प्रतिस्पर्धात्मकता, कौशल विकास, पर्यटन अवसंरचना विकास, सततता आदि जैसे संबंधित मुद्दों का समाधान सक्रिय रूप से किया जाता है। यह मंत्रालय अन्य केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य/संघ राज्यक्षेत्र की सरकारों और पर्यटन और आतिथ्य उद्योग सहित संबंधित हितधारकों के साथ नजदीकी समन्वय में काम कर रहा है, जिससे क्षेत्रीय विकास के ऊपर सरकार का सम्पूर्ण दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सका है।

इस समय, कोई पृथक नीति दस्तावेज तैयार करने के बजाय, चल रही इन पहलों को सुदृढ़ बनाने और प्रभावी रुप से कार्यान्वित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। यह मंत्रालय पर्यटन क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों पर लगातार नजर रख रहा है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और हितधारकों के सुझावों के साथ तालमेल बिठाते हुए इस क्षेत्र में आगे और वृद्धि में योगदान के लिए तैयार है।

******